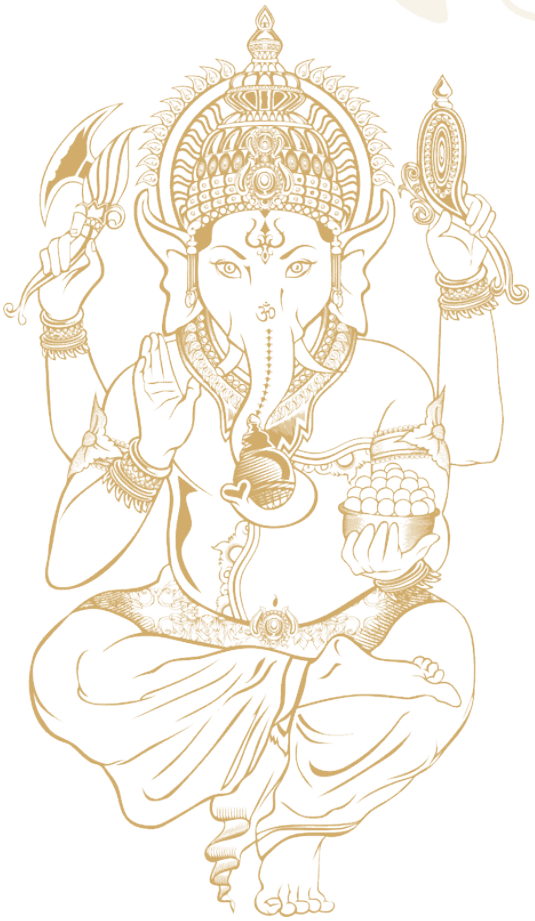

SAMARTH

01 Jan 2016

01:27 AM

Surat

Model: web-freekundliweb

Order No: 120776403

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**31-01/01/2016**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**01:27:00 घंटे**
इष्ट	45:28:06 घटी
स्थान	**Surat**
राज्य	Gujarat
देश	India

अक्षांश	21:10:00 उत्तर
रेखांश	72:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:48:20 घंटे
वेलान्तर	-00:02:45 घंटे
साम्पातिक काल	07:28:02 घंटे
सूर्योदय	07:15:45 घंटे
सूर्यास्त	18:07:22 घंटे
दिनमान	10:51:37 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	15:43:48 धनु
लग्न के अंश	26:22:30 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	सौभाग्य
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	टो-टोनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	26:22:30	332:50:12	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	गुरु	---
सूर्य			धनु	15:43:48	01:01:09	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	00:36:54	11:53:53	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	मित्र राशि
मंगल			तुला	04:22:56	00:33:22	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
बुध			मक	05:04:42	00:44:50	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	सम राशि
गुरु			सिंह	29:04:14	00:01:25	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	मित्र राशि
शुक्र			वृश्चि	07:46:22	01:12:48	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	सम राशि
शनि			वृश्चि	17:02:39	00:06:32	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	शत्रु राशि
राहु	व		कन्या	00:47:54	00:00:01	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	00:47:54	00:00:01	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	मूलत्रिकोण
हर्ष			मीन	22:29:30	00:00:18	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	---
नेप			कुंभ	13:27:41	00:01:24	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	---
प्लूटो			धनु	20:57:44	00:02:04	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
दशम भाव			मिथु	26:15:58	--	पुनर्वसु	--	7	बुध	गुरु	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:04:49

लग्न-चलित

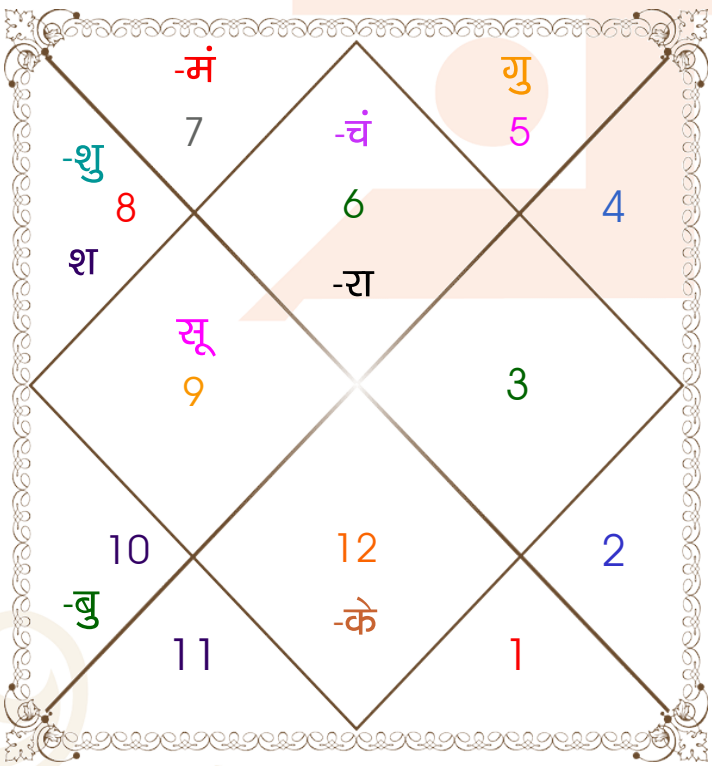

चन्द्र कुंडली

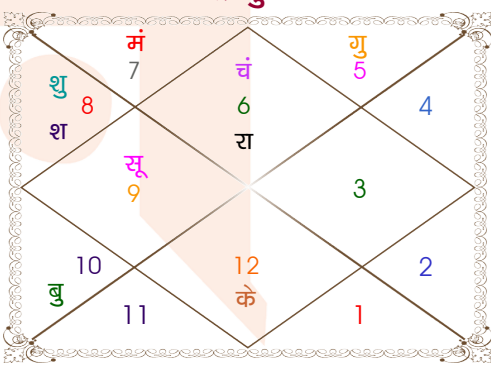

नवमांश कुंडली

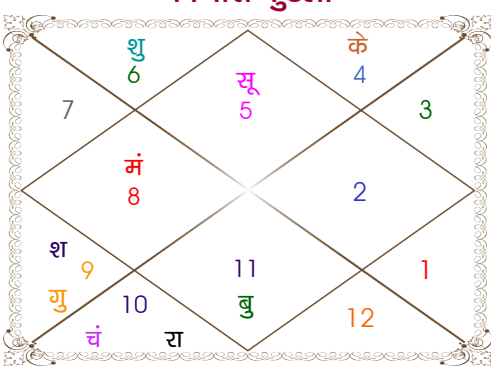

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 4 वर्ष 2 मास 20 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
01/01/2016		22/03/2020		23/03/2030		22/03/2037		23/03/2055	
22/03/2020		23/03/2030		22/03/2037		23/03/2055		23/03/2071	
	00/00/0000	चंद्र	20/01/2021	मंगल	19/08/2030	राहु	04/12/2039	गुरु	10/05/2057
	00/00/0000	मंगल	22/08/2021	राहु	06/09/2031	गुरु	28/04/2042	शनि	21/11/2059
	01/01/2016	राहु	20/02/2023	गुरु	12/08/2032	शनि	04/03/2045	बुध	26/02/2062
राहु	09/04/2016	गुरु	21/06/2024	शनि	21/09/2033	बुध	21/09/2047	केतु	02/02/2063
गुरु	27/01/2017	शनि	21/01/2026	बुध	18/09/2034	केतु	09/10/2048	शुक्र	03/10/2065
शनि	09/01/2018	बुध	22/06/2027	केतु	14/02/2035	शुक्र	10/10/2051	सूर्य	22/07/2066
बुध	15/11/2018	केतु	21/01/2028	शुक्र	15/04/2036	सूर्य	02/09/2052	चंद्र	21/11/2067
केतु	23/03/2019	शुक्र	21/09/2029	सूर्य	21/08/2036	चंद्र	04/03/2054	मंगल	27/10/2068
शुक्र	22/03/2020	सूर्य	23/03/2030	चंद्र	22/03/2037	मंगल	23/03/2055	राहु	23/03/2071

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
23/03/2071		23/03/2090		24/03/2107		24/03/2114		24/03/2134	
23/03/2090		24/03/2107		24/03/2114		24/03/2134		00/00/0000	
शनि	26/03/2074	बुध	18/08/2092	केतु	20/08/2107	शुक्र	23/07/2117	सूर्य	11/07/2134
बुध	03/12/2076	केतु	15/08/2093	शुक्र	19/10/2108	सूर्य	23/07/2118	चंद्र	10/01/2135
केतु	12/01/2078	शुक्र	15/06/2096	सूर्य	24/02/2109	चंद्र	23/03/2120	मंगल	18/05/2135
शुक्र	13/03/2081	सूर्य	22/04/2097	चंद्र	25/09/2109	मंगल	23/05/2121	राहु	02/01/2136
सूर्य	23/02/2082	चंद्र	21/09/2098	मंगल	21/02/2110	राहु	23/05/2124		00/00/0000
चंद्र	25/09/2083	मंगल	18/09/2099	राहु	12/03/2111	गुरु	22/01/2127		00/00/0000
मंगल	02/11/2084	राहु	08/04/2102	गुरु	16/02/2112	शनि	24/03/2130		00/00/0000
राहु	09/09/2087	गुरु	14/07/2104	शनि	26/03/2113	बुध	21/01/2133		00/00/0000
गुरु	23/03/2090	शनि	24/03/2107	बुध	24/03/2114	केतु	24/03/2134		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 2 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्नोदय काल सिंह नवमांश एवं वृषम द्रेष्काण में हुआ था। इस जन्म लग्नराशयादिक संयोजनों से ऐसा प्रतीत होता है कि आप स्वाभाविक रूप से आनन्दप्रद जीवन व्यतीत करने के लिए सदैव अग्रसर रहेंगे। मुख्यतः आपकी आयु 33 वर्ष से 38 वर्ष के मध्य आपका भाग्योदय होगा तथा आप सुख-संसाधन युक्त होकर जीवन की पराकाष्ठा पर पहुँच जाएंगे।

आप प्रसन्नता पूर्वक द्विगुणित, आनन्द पूर्ण जीवन व्यतीत करेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ अति आन्नदातिरेक होकर सुखमय समय व्यतीत करेंगे। आप व्यवहार कुशल व्यक्ति है। आप साहसिक भावनाओं से युक्त होकर अपना व्यवसायिक वृति संचालित करेंगे। आपका स्पष्ट दृष्टिकोण है कि आप अपने लक्ष्य के अनुसार धनी और सम्पन्न होना चाहते हैं।

आप निःसन्देह साहस और पूर्ण शक्तियुक्त होकर विशुद्ध भावना से अपनी महत्वकांक्षा के अनुरूप कार्य सम्पादन करते हैं। परन्तु आप उच्च आय हेतु अपनी दुर्भावनाओं को त्यागकर कार्य करें, अन्यथा आप अधिक धन संग्रह नहीं कर सकेंगे। क्योंकि हर दृष्टिकोण से आप अपनी मनोवृति को अनुकूल करके ही अच्छा जीवन व्यतीत कर सकेंगे। आप अच्छी प्रकार के वस्त्रादि पहनना पसन्द करते हैं । आप अपने मित्रों के साथ सन्तुष्ट रहकर अपने समय को अच्छी प्रकार व्यतीत करना चाहते हैं। आपकी मनोवृति धार्मिक पंथ की ओर प्रवृत है। आप ज्योतिष एवं परा विज्ञान के प्रदर्शित करने की अभिरूचि रखते हैं। आप तीर्थ स्थानों का परिदर्शन करेंगे तथा सामाजिक एवं परोपकारी सेवा भावना के प्रति समर्पित रहेंगे जो असहाय प्राणी आपकी सेवा की अपेक्षा करेंगे। आप उन पर सहानुभूति पूर्वक सहायता करेंगे।

आप अपने व्यवसाय के अतिरिक्त अन्य संबंधित कार्य व्यवसाय भी औरों की अपेक्षा अच्छी प्रकार सम्पादित करेंगे। परन्तु आपको अपने लिए अधिक अनुपयुक्त आनन्दित करने वाले व्यवसाय चयन क्रम में विधिवेता (वकील) वैज्ञानिक अभियन्ता अथवा शैल्य क्रिया करने वाले चिकित्सक का कार्य भी अनुकूल होगा। वैसे व्यवसायों में सामाजिक कार्यों से सम्बंधित यथा वैवाहिक कार्य व्यवस्था विदाई समारोह का आयोजन, खेल-कूद की सामग्री का व्यवसाय भी उत्तम रहेगा। इसके अतिरिक्त रेडियो, टी.वी. रत्न एवं स्वर्णाभूषण के व्यवसाय, मोटर पार्ट की दूकान आदि आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

आपकी शारीरिक बनावट उत्तम हृष्ट-पुष्ट मजबूत एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। आप अपने आश्चर्यजनक प्रतिभा से सभी को प्रभावित करेंगे। आप अपने सम्पर्क के साथ पार्टनर से समय-समय पर अपेक्षित वस्तुएं प्राप्त कर लेंगे। इस प्रकार आपका जीवन अतिरिक्त प्रत्याशित आसार उत्तम दृष्टिगोचर हो रहे हैं। आपके पास शान्त वातावरण युक्त सुखद गृह होंगे। जहाँ आप, पत्नी एवं सन्तान सहित सुखमय जीवन का आनन्द प्राप्त करेंगे। आपके द्वेष युक्त व्यस्तम कार्य सुखमय जीवन का आनन्द प्राप्त करेंगे। आपके द्वेषयुक्त व्यस्ततम कार्यक्रम के अतिरिक्त कभी आपको अपने परिवार की प्रसन्नता हेतु हर हालात में समय निकालना होगा ताकि आपके पारिवारिक सदस्य सन्तुष्ट रहें।

आप शारीरिक रूप से निःसन्देह स्वस्थ रहेंगे। परन्तु आपके लिए ऐसा निर्देश है कि आप कुछ वर्षो के पश्चात् किडनी एवं मुत्राशय की परेशानी एवं मूत्र जनित रोग से आक्रान्त हो सकते है। इस आशंका के प्रति आपको रक्षात्मक कदम उपयुक्त समय पर उठाना ठीक होगा।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

अंको में आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए स्पष्ट रूप से प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में व्यक्तिगत रूप से पसन्दीदा रंग पीला, हरा एवं सूआपंखी रंग भाग्यशाली है। परन्तु किसी भी दशा में आपके लिए रंग, लाल, काला और नीला रंग प्रतिकूल एवं सर्वथा अनुपयुक्त है।